भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1859
बुधवार, 04 अगस्त, 2021/13 श्रावण, 1943 (शक)

कुशल कार्यबल की कमी

1859. श्री संजय सिंहः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि देश में वर्तमान बेरोजगारी दर 6.83 प्रतिशत से ज्यादा है, जबकि स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर तिगुनी अर्थात 19 प्रतिशत है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या यह सच है कि भारत में कुशल कार्यबल की सर्वाधिक कमी है; और
(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) एवं (ख): रोजगार और बेरोजगारी पर वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाता है। वार्षिक पीएलएफएस 2019-20 (सर्वेक्षण अवधि जुलाई 2019-जून 2020) के परिणामों के अनुसार, सामान्य स्थिति आधार पर 2019-20 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर और स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर क्रमशः 4.8% और 17.2% थी।

(ग) एवं (घ): राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी, 2014) द्वारा किए गए कौशल अंतराल विश्लेषण अध्ययन द्वारा सरकार ने सूचित किया था कि 24 प्रमुख कौशल क्षेत्रों में 2022 तक लगभग 109.73 मिलियन कुशल आबादी की वृद्धिशील आवश्यकता होगी। सरकार ने देश में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। कौशल भारत मिशन के तहत, सरकार अखिल भारतीय आधार पर विविध कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए 21 केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों में कौशल विकास योजनाओं/कार्यक्रमों को कार्यान्वित कर रही है।

शिक्षा मंत्रालय 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा योजना लागू कर रहा है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) कौशल विकास और उद्यमियता मंत्रालय (एमएसडीई) की फ्लैगशीप कौशल प्रशिक्षण योजना है।

*****